B.A.- I CBCS Pattern Semester-I

BA12A2-3 - Compulsory Pali

P. Pages : 5 **GUG/W/23/10004**

Time : Three Hours * 5 3 7 1 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

कक्कटको चिन्तेसी - इमस्स मच्छे नेत्वा सरे विसज्जनं नाम नत्थि। सचे पन मय सरे विस्सज्जस्साति इच्चेत कुसल नो चं विस्सज्जेस्सति गीवं तस्स छिन्दित्वा जीवितं हरिस्सामि ति। अथं नं एवं आह- "सम्म बक, न खो त्वं सुगहितं गहेतुं सक्खिस्ससि, अम्हाकं पन गहणं सुगहणं, सचाहं अळेन तव गीवं गहेतुं लभिस्सामि, तव गीवं सुगहितं कत्वा तथा सध्दिं गमिस्सामि' ति। सो तं 'वच्चेतुकामो एसम'न्ति अजाकन्तो 'साधू' ति सम्पटिच्छि। कक्कटको अत्तनो अळेहि कम्मार सण्डासेन विय तस्स गीव सुगहितं कत्वा 'इदानि गच्छा' ति आह। सो तं नेत्वा सरं दस्सेत्वा वरुण रुक्खाभिमुखो पायासि। कक्कटको आह - मातुल, अयं सरीपतों, त्वं पन इतो नेसी' ति।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवतो एतदहोसि - 'कहं नु खो एतरहि पञ्चवग्गिया भिक्खू विहरन्ती' ति? अद्दसा खो भगवा दिब्बेन चक्खुना विसुध्देन अतिकन्तमानुसकेन पञ्चवग्गिये भिक्खू वाराणसियं विहरन्ते इसिपतने मिगदाये। अथ खो भगवा उरुवेलायं यथाभिरन्तं विहरित्वा येन वाराणसी तेन चारिकं पक्कामि। अद्दसान खो उपको आजीवको भगवन्तं अन्तरा च गमं अन्तरा च बोधिं अध्दानमग्गप्पटिपन्नं, दिस्वान भगवन्तं एतदवोचं - विप्पसन्तानि खो ते, आवुसो इन्द्रियानि परिसुध्दो छविवण्णो परियादातो। कंसि त्वं, आवुसो, उद्दिस्स पब्बजितो? को वा ते सत्था? कस्स वा त्वं धम्मं रोचेसी "ति?

ब) सुंसुमार जातकाचे बोध तुमच्या शब्दात लिहा. **6**
सुंसुमार जातक का बोध तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

किंवा / अथवा

भिक्खू-भिक्खूणिंचे संविधान विनयपिटक सिध्दं करा.
भिक्खू-भिक्खूणिंयों का संविधान विनयपिटक सिध्दं करें।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) यो च वुड्ढो दहरो वा, पापकम्मं पकुब्बति।
दकाभिसेचना सो पि, पापकम्मा पमुच्चति॥

2) को नु ते इदमक्खामि, अजानन्तस्स अजानको।
दकाभिसेचना नाम, पापकम्मा पमुच्चति॥

3) सग्गं नून गमिस्सन्ति, सब्बे मण्डककच्छपा।
नागा च सुसुमारा च, ये चञ्ञे उदके चरा॥

4) ओरब्भिका सूकरिका, मच्छिका मिगबन्धका।
चोरा च वज्झघाता च, ये चञ्ञे पापकम्मिनो॥

किंवा / अथवा

1) न भजे पापके मित्ते न भजे पुरिसाधमें।
भजेथ मित्ते कल्याणो भजेथ पुरसुत्तमे॥

2) धम्मपीती सुखं सेत्ति विप्पसन्नेन चेतसा।
अरियप्पवेदिते धम्मे सदा रमति पण्डितो॥

3) उदकं हि नयन्ति नेत्तिका उसुकारा नमयन्ति तेजनं।
दारूं नमयन्ति तच्छका अत्तानं दमयन्ति पण्डिता॥

4) सेलो तथा एकघनो वातेनं न समीरति।
एवं निन्दापसंसासु न समिञ्जन्तिं पण्डिता॥

ब) किसा गोतमी थेरीचा सारांश लिहा. **6**
किसा गोतमी थेरी का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

बाल कोणाला म्हणावे हे बालवग्गातून सांगा.
बाल किसे कहते है। यह बालवग्गसे बताईए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो आयस्मा रोहणो नागसेन दारकं आदाय येन वत्तणियं सेनासन येन विजम्भवत्थु तेनुपसङकमि, उपसङकमित्वा विजम्भवत्थुस्मिं सेनासने एकरत्त वसित्वा येन रक्खिततलं तेनुपसङकमि। उपसङकमित्वा कोटिसतान अरहन्तानं मज्झे नागसेन दारकं पब्बाजेसि। पब्बजितो च पनायस्मा नागसेनो आयस्मन्तं रोहणं एतदवोचं - "गाहितो मे, भन्ते तव वेसो। देथ मे दानि मन्तं' ति। अथ खो आयस्मा रोहणो "किम्हि नु खोहं नागसेन विनेय्य पठमं? विनये वा सुत्तन्ते वा, अभिधम्मे वा? ति चिन्तेत्वा" पण्डितो खो अयं नागसेनो, सक्कोति सुखनेव अभिधम्मं परियापुणितुं 'ति पठमं अभिधम्मे विनेसि।

किंवा / अथवा

अथ खो मिलिन्दो राजा देवमन्तियं एतदवोचं - तेन हि त्वं, देवमन्तिय, भदन्तस्स सन्तिके दूतं पेसेहि 'ति। 'एवं, देवा' ति खो देवमन्तियो आयस्मतो नागसेनस्स सन्तिके दूतं पाहेसि - 'राजा, भन्ते, मिलिन्दो आयस्मन्तं दस्सनंकामो' ति। आयस्मा पि खो नागसेनां एवमाहं, तेन हि आगच्छत' ति अथ खो मिलिन्दो राजा पञ्चमतेहि योनकसतेहि परिवुतो रथवरमारुय्ह महता बलकायेन सध्दिं येन सङखेय्यपटिवेणं येनायस्मा नागसेनो तेनुपसङकमि। तेन खो पन समयेन आयस्मतो नागसेनो असीतिया भिक्खुसहस्सेहि सध्दिं मण्डलमाले निसिन्नो होति।

ब) मिलिन्दपञ्हो ग्रंथाचे महत्त्वं सांगा. **6**
मिलिन्दपञ्हो ग्रंथ का महत्त्वं बताईए।

किंवा / अथवा

राजा मिलिन्द व भन्ते नागसेन यांची भेट तुमच्या शब्दात सांगा.
राजा मिलिन्द और भन्ते नागसेन इनकी भेट तुम्हारे शब्दों में बताईए।

4. अ) विभक्ती रुपे तयार करा **कोणतेही एक.** **4**
विभक्ती रुप तयार कीजिए **कोई भी एक।**

1) बुध्द 2) लता

3) मुनि

ब) वर्तमान काळाची रुपे तयार करा **कोणतेही दोन.** **4**
वर्तमान काल के रुप तयार कीजिए। **कोई भी दो।**

1) लिख 2) रक्ख

3) हिंस 4) ठा

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) दारका आलोकें बुध्दानं धम्मं पस्सन्ति।

2) बुध्दं मनुजानं धम्मं वदन्ति।

3) दासो मग्गे याचके पस्सति।

4) सो गामे धम्मं पस्सति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) तो बुध्दाचा धम्म वाचतो.
वह बुध्द के धम्म को पढ़ता है।

2) राजे लोक दिसतात.
राजा लोग दिखाई देते है।

3) आम्ही धम्म वाचतो.
हम धम्म पढते है।

4) दासी काम करते.
दासी काम करती है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) जातक 2) धम्मपद

3) मुचलिन्द कथा 4) थेरीगाथा

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) 'जन्म' या अर्थाने पालि शब्द कोणता.
'जन्म' इस अर्थ से पालि शब्द कौनसा।
अ) जात ब) जनम
क) जातक ड) जीवन

2) जातक ग्रंथ कोणत्या निकायात येते.
जातक ग्रंथ किस निकाय में आता है।
अ) संयुत्तनिकाय ब) अंगुत्तरनिकाय
क) खुद्दकनिकाय ड) दीघनिकाय

3) धम्मपद ग्रंथ कुठे येतो.
धम्मपद ग्रंथ कहाँ आता है।

अ) खुद्दकनिकाय ब) खुद्दकपाठ
क) विनयपिटक ड) उदान

4) धम्मपद ग्रंथात किती गाथा आहेत.
धम्मपद ग्रंथ में कितनी गाथाएँ है।

अ) 420 ब) 421
क) 422 ड) 423

5) थेरीगाथा ग्रंथात कूल किती थेरी येतात.
थेरीगाथा ग्रंथ में कूल कितनी थेरी आती है।

अ) 70 ब) 71
क) 72 ड) 73

6) 'सिलानीसंस' कुठे येते.
'सिलानीसंस' कहाँ आता है।

अ) मिलिन्दपञ्हो ब) विसुध्दीमग्गो
क) जातक ड) धम्मपद

7) राजा मिलिन्दाने भन्ते नागसेनाला कुठे प्रश्न विचारलेत.
राजा मिलिन्दने भन्ते नागसेन को कहाँ प्रश्न पुछे थे।

अ) सांकेय्य परिवेन ब) उद्यानात
क) रथात ड) राजमहालात

8) पालित पुरुष किती आहेत.
पालि में पुरुष कितने है।

अ) एक ब) दोन (दो)
क) तीन ड) चार

9) पालित कारक किती आहेत.
पालि में कारक कितने है।

अ) 07 ब) 08
क) 09 ड) 10

10) 'मेत्ता' शब्दाचा अर्थ सांगा.
'मेत्ता' शब्द का अर्थ बताईए।

अ) मैत्री ब) मित्र
क) मैत्रिण ड) मार्ग

****